

प्रेषक,
जी०एस० पाण्डे,
अपर सचिव
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,
निदेशक,
जड़ी-बूटी शोध एवं विकास संस्थान,
गोपेश्वर (चमोली)।

उद्यान एवं रेशम अनुभाग:-2

देहरादून: दिनांक ०१ जून २०१०

विषय:-जड़ी-बूटी शोध एवं विकास संस्थान के मुनस्यारी स्थित पौधशाला में घेरबाड़ किये जाने हेतु वित्तीय/प्रशासकीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-164/ज.बू.स./मुनस्यारी/2009-10, दिनांक-05 मई, 2010 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि ग्रामीण अभियंत्रण सेवा पिथौरागढ़ द्वारा जड़ी-बूटी शोध एवं विकास संस्थान के मुनस्यारी स्थित पौधशाला में घेरबाड़ हेतु गठित आंगणन की कुल धनराशि रुपये-67.58 लाख के सापेक्ष टी०ए०सी० द्वारा सम्यक परीक्षणोपरान्त संस्तुत रू०-67.58 लाख (रुपये सड़सठ लाख अटठावन हजार मात्र) की लागत के संलग्न प्रारम्भिक आगणन की वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति निम्नांकित प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल सहर्ष प्रदान करते हैं:-

- 1- कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शिडयूल आफ रेटस में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गई हैं, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा।
- 2- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक, वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी। बिना ऐसी स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को प्रारम्भ न किया जाय।
- 3- कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व प्रस्तावित कार्य स्थल का मृदा परीक्षण अवश्य करा लिया जाय, तथा मृदा परीक्षण आख्या में दिये गये सुझावों के अनुसार भवन निर्माण कार्य किया जाय।
- 4- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितनी राशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 5- एकमुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आंगणन गठित कर सक्षम अधिकारी से अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाय।
- 6- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएँ तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
- 7- कार्य करने से पूर्व स्थल का भली भाँति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा लिया जाय। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य कराया जाय।
- 8- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृति की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।

(१८)

.....2/-

- 9- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाये जाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पाई जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
- 10- कार्य सम्पादित करने एवं सामग्री कय हेतु उत्तराखण्ड प्रोक्योरमेन्ट रूल्स, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- 11- निर्माण एजेन्सी के साथ निर्धारित प्रारूप पर एमओयू हस्ताक्षर किया जाय।
- 12- उक्त स्वीकृत धनराशि निदेशक, जड़ी-बूटी शोध एवं विकास संस्थान के माध्यम से सम्बन्धित कार्यदायी संस्था को बैंक ड्राफ्ट/चैक द्वारा नियमानुसार उपलब्ध कराई जायेगी।
- 13- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय जड़ी-बूटी शोध एवं विकास संस्थान को अनुदान संख्या-29 एवं 31 के अन्तर्गत शासन द्वारा 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता मद में पूर्व में अवमुक्त धनराशि तथा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना एवं राष्ट्रीय जड़ी-बूटी मिशन के अन्तर्गत भारत सरकार से अवमुक्त धनराशि से वहन किया जायेगा। इस हेतु पृथक से कोई धनराशि उपलब्ध नहीं कराई जायेगी।
- 14- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-66(P)XXVII-4/2009, दिनांक-26मई, 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(जी०एस० पाण्डे)

अपर सचिव।

संख्या-183 /XVI-2/10/7(32)/10, तददिनांक:

1. प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
2. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग माजरा, देहरादून।
3. कोषाधिकारी, गोपेश्वर (चमोली)।
4. वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।
5. अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियंत्रण सेवा पिथौरागढ़।
6. जिलाधिकारी, पिथौरागढ़।
7. निदेशक, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उद्यान भवन चौबटिया-रानीखेत।
8. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
9. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(के०पी० पाटनी)

अनु सचिव।